Series SMA/2

कोड नं. **61/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16 + 2** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **21** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **16** printed pages + **2** Maps.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **21** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने लिखे हैं ।

(ii) **2** अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड क – प्रश्न सं. 1 से 3) का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(iii) **5** अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड ख – भाग I, II, III – प्रश्न सं. 4 से 14) का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(iv) **10** अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड ग – प्रश्न सं. 15 और 16) का उत्तर **500** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(v) खण्ड घ के प्रश्न तीन स्रोतों पर आधारित हैं ।

(vi) मानचित्र अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए (खण्ड य) ।

General Instructions :

*(i) Answer **all** the questions. Marks are indicated against each question.*

*(ii) Answers to questions carrying **2** marks (Part A – Questions no. 1 to 3) should not exceed **30** words each.*

*(iii) Answers to questions carrying **5** marks (Part B – Section I, II, III – Questions no. 4 to 14) should not exceed **100** words each.*

*(iv) Answers to questions carrying **10** marks (Part C – Questions no. 15 and 16) should not exceed **500** words each.*

(v) Part D has questions based on three sources.

(vi) Attach the maps with the answer scripts (Part E).

खण्ड क
PART A

*नीचे दिए **सभी** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*Answer **all** the questions given below.*

1. बहुपति विवाह प्रथा क्या है ? महाभारत की कथा से इसका एक उदाहरण दीजिए । *2*

What is the practice of polyandry ? Give one example from the text of Mahabharata.

2. चिश्ती किस रूप में दान स्वीकार करते थे तथा उसका प्रयोग किस प्रकार करते थे ? *2*

How did the Chishtis accept donations and how did they use it ?

3. किसी दिए समय के बारे में स्थापथ्य शैलियाँ क्या बताती हैं ? *2*

What do the architectural styles reflect at a given time ?

खण्ड ख

PART B

भाग I

SECTION I

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*Answer any **three** of the following questions.*

4. हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन हेतु माल प्राप्त करने के लिए क्या तरीके अपनाते थे ? संक्षेप में वर्णन कीजिए । 5

Describe briefly the ways in which the Harappans procured material for craft production.

5. अतीत की बेहतर समझ के लिए अभिलेख साक्ष्यों की सीमाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए । 5

Describe briefly the limitations of inscriptional evidence for better understanding of the past.

6. वाल्टर इलियट की अमरावती के खण्डहरों की तथा पश्चिमी तोरण द्वार की 1854 में खोज में क्या भूमिका रही ? स्पष्ट कीजिए । 5

Explain the role of Walter Elliot in discovering the remains of Amravati and the Western Gateway in 1854.

7. दुर्योधन ने पाण्डवों को मारने का क्या षड्यन्त्र रचा ? स्पष्ट कीजिए । उसकी योजना कैसे असफल हो गई ? 5

Explain how Duryodhan plotted to kill the Pandavas. How was his plan foiled ?

भाग II

SECTION II

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*Answer any **two** of the following questions.*

8. विजयनगर में कृषि-क्षेत्रों को किलेबन्द भू भागों में क्यों समाहित किया जाता था ? स्पष्ट कीजिए । 5

Why were the agricultural tracts incorporated within the fortified area in Vijayanagar ? Explain.

9. समाज के निचले वर्गों (तपके) में जाति, गरीबी और सामाजिक हैसियत के बीच सीधा रिश्ता कैसे था ? स्पष्ट कीजिए । 5

How was there a direct correlation between caste, poverty and social status at the lower strata of society ? Explain.

10. "अनेक लोग जलालुद्दीन अकबर (1556 – 1605) को मुगल बादशाहों में साम्राज्य को दृढ़तम करने तथा विस्तार करने में महानतम मानते हैं ।" इस कथन का औचित्य निर्धारित कीजिए । 5

"Many considered Jalaluddin Akbar (1556 – 1605) the greatest of all the Mughal emperors for consolidation and expansion of empire." Justify the statement.

भाग III

SECTION III

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*Answer any **three** of the following questions.*

11. इस्तमरारी (स्थायी) बन्दोवस्त को बंगाल के बाहर विरले ही क्यों लागू किया गया ? स्पष्ट कीजिए । 5

Explain why the Permanent Settlement was rarely extended to any other region beyond Bengal.

12. 1840 के दशक में अंग्रेज़ अफसरों और सिपाहियों के बीच सम्बन्धों में आने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट कीजिए । 5

Explain the changes that came during 1840's in the relations between the white officers and the sepoys.

13. "विभाजन के दौरान बंगाल में यह पलायन अधिक लम्बे समय तक चलता रहा । लोग ढीली-ढाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा के आर-पार जाते रहे ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । 5

"In Bengal the migration was even more protracted, with people moving across a porous border during Partition." Examine the statement.

14. "नागरिकों के अधिकार किस तरह निर्धारित किए जाएँ ?" संविधान सभा बहस के दौरान उठे इस प्रश्न का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । 5

"How were the rights of individual citizens to be defined ?" Critically examine this question that arose during the Constituent Assembly debates.

खण्ड ग

PART C

15. राजधानी बनाने के लिए विजयनगर का स्थान चुनने के पीछे क्या प्रेरणा थी ? वहाँ की मंदिर स्थापत्य कला की भी व्याख्या कीजिए । 10

अथवा

सामाजिक कारणों तथा वाणिज्यिक खेती के प्रसार से भी जंगलवासियों के जीवन में परिवर्तन कैसे आए ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain what was the inspiration behind the choice of Vijayanagar as the best site for a capital. Examine its temple architecture also.

OR

How did the social factors and the spread of commercial agriculture wring changes in the lives of forest dwellers ? Explain.

16. पर्वतीय सैरगाह (हिल स्टेशन) औपनिवेशिक शहरी विकास का एक विशेष पहलू कैसे था ? स्पष्ट कीजिए । 10

अथवा

अनेक विद्वानों ने स्वतन्त्रता के बाद के महीनों को गांधीजी के जीवन का 'श्रेष्ठतम क्षण' क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain how the hill stations were a distinctive feature of colonial urban development.

OR

Explain why many scholars have written of the months after Independence as being Gandhiji's 'finest hour'.

खण्ड घ (स्रोत आधारित प्रश्न)

PART D (Source Based Questions)

17. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नियतिवादी और भौतिकवादी

यहाँ हम *सुत्त पिटक* से लिया गया दृष्टांत दे रहे हैं । इसमें मगध के राजा अजातसत्तु और बुद्ध के बीच बातचीत का वर्णन किया गया है ।

> एक बार राजा अजातसत्तु बुद्ध के पास गए और उन्होंने मक्खलि गोसाल नामक एक अन्य शिक्षक की बातें बताईं :
>
> "हालाँकि बुद्धिमान लोग यह विश्वास करते हैं कि इस सद्‌गुण से... इस तपस्या से मैं कर्म प्राप्ति करूँगा... मूर्ख उन्हीं कार्यों को करके धीरे-धीरे कर्म मुक्ति की उम्मीद करेगा । दोनों में से कोई कुछ नहीं कर सकता । सुख और दुख मानो पूर्व निर्धारित मात्रा में माप कर दिए गए हैं । इसे संसार में बदला नहीं जा सकता । इसे बढ़ाया या घटाया नहीं जा सकता । जैसे धागे का गोला फेंक देने पर लुढ़कते-लुढ़कते अपनी पूरी लंबाई तक खुलता जाता है उसी तरह मूर्ख और विद्वान दोनों ही पूर्व निर्धारित रास्ते से होते हुए दुःखों का निदान करेंगे ।"
>
> और अजीत केसकंबलिन् नामक दार्शनिक ने यह उपदेश दिया :
>
> "हे राजन् ! दान, यज्ञ या चढ़ावा जैसी कोई चीज़ नहीं होती... इस दुनिया या दूसरी दुनिया जैसी कोई चीज़ नहीं होती...
>
> मनुष्य चार तत्त्वों से बना होता है । जब वह मरता है तब मिट्टी वाला अंश पृथ्वी में, जल वाला हिस्सा जल में, गर्मी वाला अंश आग में, साँस का अंश वायु में वापिस मिल जाता है और उसकी इंद्रियाँ अंतरिक्ष का हिस्सा बन जाती हैं...
>
> दान देने की बात मूर्खों का सिद्धांत है, खोखला झूठ है... मूर्ख हो या विद्वान दोनों ही कट कर नष्ट हो जाते हैं । मृत्यु के बाद कोई नहीं बचता ।"
>
> प्रथम गद्यांश के उपदेशक आजीविक परंपरा के थे । उन्हें अक्सर नियतिवादी कहा जाता है – ऐसे लोग जो विश्वास करते थे कि सब कुछ पूर्व निर्धारित है । द्वितीय गद्यांश के उपदेशक लोकायत परंपरा के थे जिन्हें सामान्यतः भौतिकवादी कहा जाता है । इन दार्शनिक परंपराओं के ग्रंथ नष्ट हो गए हैं । इसलिए हमें अन्य परंपराओं से ही उनके बारे में जानकारी मिलती है ।

(i) अजातशत्रु ने मक्खलि गोसाल की बुद्ध को क्या बात बताई ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ii) अजीत केसकंबालिन नामक दार्शनिक ने राजा को क्या कहा ? *3*

(iii) दोनों शिक्षकों में अन्तर स्पष्ट करें । *3*

अथवा

स्वजन के मध्य लड़ाई क्यों हुई ?

यह उद्धरण संस्कृत महाभारत के *आदिपर्वन्* (प्रथम अध्याय) से है और कौरव पांडव के बीच हुए संघर्ष का चित्रण करता है :

> कौरव... धृतराष्ट्र के पुत्र थे और पांडव उनके बांधव जन थे । चूँकि धृतराष्ट्र नेत्रहीन थे अतः उनके अनुज पांडु हस्तिनापुर के सिंहासन पर आसीन हुए... किन्तु पांडु की असामयिक मृत्यु के बाद धृतराष्ट्र राजा बने, क्योंकि सभी राजकुमार अल्पवयस्क थे । जैसे-जैसे राजकुमार बड़े हुए हस्तिनापुर के नागरिक पांडवों के प्रति अपनी अभिरुचि व्यक्त करने लगे क्योंकि वे कौरवों के मुकाबले अधिक योग्य और सदाचारी थे । इस बात से कौरवों में ज्येष्ठ, दुर्योधन को बहुत ईर्ष्या हुई । वह अपने पिता के पास गया और बोला, "हे भूपति, अपूर्णता के कारण आपको सिंहासन पर बैठने का अधिकार नहीं था हालाँकि यह आपको प्राप्त हो गया । यदि पांडव पांडु से यह विरासत प्राप्त करते हैं तो उनके बाद उनके पुत्र, पौत्र और फिर प्रपौत्र इस पैतृक संपत्ति के अधिकारी हो जाएँगे और हम तथा हमारे पुत्र इस राज्य के उत्तराधिकार से बेदखल होकर संसार में क्षुद्र समझे जाएँगे ।"
>
> इस तरह के उद्धरण अक्षरशः सत्य न भी हों तो भी वे इस बात का अनुमान करा देते हैं कि जिन लोगों ने यह ग्रंथ लिखा वे क्या सोचते थे । कभी-कभी, जैसे यहाँ, प्रकरणों में परस्पर विरोधी विचार मिलते हैं ।

(i) हस्तिनापुर के नागरिकों ने पाण्डवों के प्रति अधिक अभिरुचि क्यों प्रदर्शित की ? स्पष्ट कीजिए । 2

(ii) पाण्डवों के प्रति दुर्योधन की प्रतिक्रिया क्या थी ? स्पष्ट कीजिए । 3

(iii) पितृवंशिक उत्तराधिकार की कसौटी की व्याख्या कीजिए । 3

Read the following passage carefully and answer the questions given at the end of it :

Fatalists and materialists ?

Here is an excerpt from the *Sutta Pitaka*, describing a conversation between king Ajatasattu, the ruler of Magadha, and the Buddha :

> On one occasion King Ajatasattu visited the Buddha and described what another teacher, named Makkhali Gosala, had told him :
>
> "Though the wise should hope, by this virtue ... by this penance I will gain karma ... and the fool should by the same means hope to gradually rid himself of his karma, neither of them can do it. Pleasure and pain, measured

out as it were, cannot be altered in the course of *samsara* (transmigration). It can neither be lessened or increased ... just as a ball of string will when thrown unwind to its full length, so fool and wise alike will take their course and make an end of sorrow."

And this is what a philosopher named Ajita Kesakambalin taught :

"There is no such thing, O king, as alms or sacrifice, or offerings ... there is no such thing as this world or the next ...

A human being is made up of the four elements. When he dies the earthy in him returns to the earth, the fluid to water, the heat to fire, the windy to air, and his senses pass into space ...

The talk of gifts is a doctrine of fools, an empty lie ... fools and wise alike are cut off and perish. They do not survive after death."

The first teacher belonged to the tradition of the Ajivikas. They have often been described as fatalists : those who believe that everything is predetermined. The second teacher belonged to the tradition of the Lokayatas, usually described as materialists. Texts from these traditions have not survived, so we know about them only from the works of other traditions.

(i) Explain what had King Ajatshatru told Buddha about Makkhali Gosala. *2*

(ii) Explain what did the philosopher named Ajita Kesakambalin tell the king. *3*

(iii) Examine the difference between the two teachers. *3*

OR

Why kinfolk quarrelled

This is an excerpt from the *Adi Parvan* (literally, the first section) of the Sanskrit *Mahabharata*, describing why conflicts arose amongst the Kauravas and Pandavas :

> The Kauravas were the ... sons of Dhritarashtra, and the Pandavas ... were their cousins. Since Dhritarashtra was blind, his younger brother Pandu ascended the throne of Hastinapura (see Map I) ... However, after the premature death of Pandu, Dhritarashtra became king, as the royal princes were still very young. As the princes grew up together, the citizens of Hastinapura began to express their preference for the Pandavas, for they were more capable and virtuous than the Kauravas. This made Duryodhana, the eldest of the Kauravas, jealous. He approached his father and said "You yourself did not receive the throne, although it fell to you, because of your defect. If the Pandava receives the patrimony from Pandu, his son will surely inherit it in turn, and so will his son, and his. We ourseles with our sons shall be excluded from the royal succession and become of slight regard in the eyes of the world, lord of the earth !"
>
> Passages such as these may not have been literally true, but they give us an idea about what those who wrote the text thought. Sometimes, as in this case, they contain conflicting ideas.

(i) Explain why did the citizens of Hastinapur express preference for the Pandavas. *2*

(ii) Explain the reactions of Duryodhan against Pandavas. *3*

(iii) Explain the criteria of patrilineal succession. *3*

18. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जोगी के प्रति श्रद्धा

यह उद्धरण 1661 – 62 में औरंगज़ेब द्वारा एक जोगी को लिखे पत्र का अंश है :

बुलंद मकाम शिवमूरत गुरु आनंद नाथ जियो !

जनाब-ए-मुहतरम (श्रद्धेय) अमन और खुशी से हमेशा श्री शिव जियो की पनाह में रहें !

पोषाक के लिए वस्त्र और पच्चीस रु की रकम जो भेंट के तौर पर भेजी गई है आप तक पहुँचेगी ... जनाब-ए-मुहतरम आप हमें लिख सकते हैं जब भी हमारी मदद की ज़रूरत हो ।

(i) जोगी द्वारा पूजित देवता का नाम लिखिए । *1*

(ii) मुगलों की सामान्य तौर पर धार्मिक नीति क्या थी तथा विशेष रूप से औरगज़ेब की क्या थी ? *4*

(iii) इस स्रोत को पढ़ने के पश्चात् औरंगज़ेब के विषय में आपके क्या विचार हैं ? वर्णन कीजिए । *3*

अथवा

हौज़ों/जलाशयों का निर्माण किस प्रकार होता था ?

कृष्णदेव राय द्वारा बनवाए गए जलाशय के विषय में पेस लिखता है :

राजा ने एक जलाशय बनवाया ... दो पहाड़ियों के मुख-विबर पर जिससे दोनों में से किसी पहाड़ी से आने वाला सारा जल वहाँ इकट्ठा हो, इसके अलावा जल 9 मील (लगभग 15 किमी) से भी अधिक की दूरी से पाइपों से आता है जो बाहरी शृंखला के निचले हिस्से के साथ-साथ बनाए गए थे । यह जल एक झील से लाया जाता है जो छलकाव से खुद एक छोटी नदी में मिलती है । जलाशय में तीन विशाल स्तंभ बने हैं जिन पर खूबसूरती से चित्र उकेरे गए हैं; ये ऊपरी भाग में कुछ पाइपों से जुड़े हुए हैं जिनसे ये अपने बगीचों तथा धान के खेतों की सिंचाई के पानी लाते हैं । इस जलाशय को बनाने के लिए इस राजा ने एक पूरी पहाड़ी को तुड़वा दिया ... जलाशय में मैंने इतने लोगों को कार्य करते देखा कि वहाँ पन्द्रह से बीस हज़ार आदमी थे, चींटियों की तरह ...

(i) जलाशय किस आधार पर बनवाए जाते थे ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ii) कृष्णदेव राय ने क्यों और कहाँ जलाशय बनवाए ? *3*

(iii) भग्नावशेषों के बीच मिली सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण जल सम्बन्धी एक संरचना का वर्णन कीजिए । यह भी लिखिए कि यह किसने बनवाई थी । *3*

Read the following passage carefully and answer the questions given at the end of it :

Reverence for the Jogi

Here is an excerpt from a letter written by Aurangzeb to a Jogi in 1661 – 62 :

> The possessor of the sublime station, Shiv Murat, Guru Anand Nath Jio !
>
> May your Reverence remain in peace and happiness ever under the protection of Sri Shiv Jio !
>
> ... A piece of cloth for the cloak and a sum of twenty five rupees which have been sent as an offering will reach (Your Reverence) ... Your Reverence may write to us whenever there is any service which can be rendered by us.

(i) Write the name of the deity worshipped by Jogi. *1*

(ii) Explain the religious policy of the Mughals in general and of Aurangzeb in particular. *4*

(iii) Describe your feelings about Aurangzeb after going through this source. *3*

OR

How tanks were built

About a tank constructed by Krishnadeva Raya, Paes wrote :

> The king made a tank ... at the mouth of two hills so that all the water which comes from either one side or the other collects there; and, besides this, water comes to it from more than three leagues (approximately 15 kilometres) by pipes which run along the lower parts of the range outside. This water is brought from a lake which itself overflows into a little river. The tank has three large pillars handsomely carved with figures; these connect above with certain pipes by which they get water when they have to irrigate their gardens and rice-fields. In order to make this tank the said king broke down a hill ... In the tank I saw so many people at work that there must have been fifteen or twenty thousand men, looking like ants ...

(i) Explain the criteria of building tanks. 2

(ii) Why and where were the tanks built by Krishna Dev Raya ? 3

(iii) Describe one of the most prominent waterworks found among the ruins. Also mention who built them. 3

19. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''बरसों हो गए मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नहीं मिला''

शोधकर्ता का दूसरा किस्सा लाहौर के एक यूथ हॉस्टल के मैनेजर के बारे में है : मैं जगह की तलाश में हॉस्टल गया था और वहाँ मैंने तुरंत अपनी नागरिकता की घोषणा कर दी थी । मैनेजर ने कहा, 'आप हिन्दुस्तानी हैं, इसलिए आपको मैं कमरा तो दे नहीं सकता मगर आपको चाय पिला सकता हूँ ।' इतने ललचाने वाले प्रस्ताव पर मैं नहीं कैसे कह सकता था । मैनेजर ने शुरू किया –

'पचास के दशक के शुरुआती हिस्से में मेरी पोस्टिंग दिल्ली में हुई थी ।' मैं ध्यान से सुन रहा था । मैं वहाँ पाकिस्तानी दूतावास में क्लर्क था । मेरे एक लाहौरी दोस्त ने मुझे एक रुक्का (छोटी चिट्ठी) दिया था जो कभी उसके पड़ोसी रहे एक व्यक्ति को देना था । वह व्यक्ति आजकल दिल्ली के पहाड़गंज में रह रहा था । एक दिन मैं अपनी साइकिल लेकर पहाड़गंज को चल पड़ा । जैसे ही मैंने सेंट्रल सेक्रेटेरियट के पास वाले कथीड्रल (बड़ा गिरजाघर) को पार किया, मुझे एक सिख साइकिल पर जाता दिखाई दिया । उसे रोककर मैंने पंजाबी में पूछा, ''सरदार जी, पहाड़गंज का रास्ता किधर से है ?''

उन्होंने पूछा, ''तुम शरणार्थी हो ?''

''नहीं, मैं लाहौर से आया हूँ । मैं इक़बाल अहमद हूँ ।''

''इकबाल अहमद .... लाहौर से ? रुको, रुको !''

वह ''रुको !'' की आवाज मुझे बेरहम हुक्म जैसी सुनाई दी और मैंने सोचा कि अब तो मैं गया । ये सिख मुझे ख़त्म ही कर देगा । पर और कोई चारा नहीं था, इसलिए मैं रुक गया । वह भारी-भरकम सिख़ दौड़ता आया और उसने मुझे कसकर भींच लिया । भीगी आँखों से उसने कहा, ''बरसों हो गए, मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नहीं मिला । मैं मिलने को तरस रहा था पर यहाँ पंजाबी बोलने वाले मुसलमान मिलते ही नहीं ।''

(i) होस्टल के मैनेजर ने शोधकर्ता से उसकी नागरिकता क्यों पूछी थी ? क्या यह उचित था ? 3

(ii) मैनेजर उसे चाय पिलाने के लिए क्यों तैयार था ? 1

(iii) जब इकबाल अहमद ने पहाड़गंज का रास्ता पूछा तो सरदार जी की क्या प्रतिक्रिया थी ? 2

(iv) विभाजन का कोई अन्य अनुभव जो आपने पाठ्यपुस्तक में पढ़ा हो, लिखिए । 2

अथवा

"मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी ।"

27 अगस्त 1947 को संविधान सभा की बहस में गोविन्द वल्लभ पंत ने कहा था :

> मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी । अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग-थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रूपांतरित नहीं कर पाएँगे । निराशा का भाव शुरू से उन्हें अपंग बना देगा । आप क्या चाहते हैं और हमारा अंतिम उद्देश्य क्या है ? क्या अल्पसंख्यक हमेशा अल्पसंख्यकों के रूप में ही रहना चाहते हैं या वे भी एक दिन एक महान राष्ट्र का अभिन्न अंग बनने और उसकी नियति को निर्धारित व नियंत्रित करने का सपना देखते हैं ? मेरा विचार है कि अगर उन्हें शेष समुदाय से अलग रखा जाता है और ऐसे हवाबंद कमरे में काटकर रखा जाता है जहाँ उन्हें हवा के लिए भी औरों पर निर्भर रहना पड़ेगा तो यह उनके लिए भयानक रूप से खतरनाक होगा ... । अगर अल्पसंख्यक पृथक निर्वाचिकाओं से जीतकर आते रहे तो कभी प्रभावी योगदान नहीं दे पाएँगे ।

(i) गोविन्द वल्लभ पंत के अल्पसंख्यकों के लिए पृथक निर्वाचिका के प्रति विचार स्पष्ट कीजिए । *4*

(ii) "क्या अल्पसंख्यक सदा ही अल्पसंख्यक बने रहना चाहते हैं ?" स्पष्ट कीजिए । *2*

(iii) इस संदर्भ में आप अपने विचार भी कारण सहित स्पष्ट कीजिए । *2*

Read the following passage carefully and answer the questions given at the end of it :

"For quite a few years now, I have not met a Punjabi *Musalman*"

The researcher's second story is about the manager of a youth hostel in Lahore.

> I had gone to the hostel looking for accommodation and had promptly declared my citizenship. "You are Indian, so I cannot allot you a room but I can offer you tea and a story," said the Manager. I couldn't have refused such a tempting offer. "In the early 1950s I was posted a Delhi," the Manager began. I was all ears :
>
> "I was working as a clerk at the Pakistani High Commission there and I had been asked by a Lahori friend to deliver a *rukka* (a short handwritten note) to his erstwhile neighbour who now resided at Paharganj in Delhi. One day I rode out on my bicycle towards

Paharganj and just as I crossed the cathedral at the Central Secretariat, spotting a Sikh cyclist I asked him in Punjabi, 'Sardarji, the way to Paharganj, please ?'

'Are you a refugee ?' he asked.

'No, I come from Lahore. I am Iqbal Ahmed.'

'Iqbal Ahmed ... from Lahore ? Stop !'

"That 'Stop!' sounded like a brute order to me and I instantly thought now I'll be gone. This Sikh will finish me off. But there was no escaping the situation, so I stopped. The burly Sikh came running to me and gave me a mighty hug. Eyes moist, he said, 'For quite a few years now, I have not met a Punjabi *Musalman*. I have been longing to meet one but you cannot find Punjabi-speaking *Musalmans* here'."

(i) Why did the manager of the hostel ask the researcher his citizenship ? Was he right ? *3*

(ii) Why was the manager ready to serve him tea ? *1*

(iii) How did Sardarji react when Iqbal Ahmed asked him the way to Paharganj ? *2*

(iv) Write some other such experience of partition that you have read in your text book. *2*

OR

"I believe separate electorates will be suicidal to the minorities"

During the debate on 27 August 1947, Govind Ballabh Pant said :

I believe separate electorates will be suicidal to the minorities and will do them tremendous harm. If they are isolated for ever, they can never convert themselves into a majority and the feeling of frustration will cripple them even from the very beginning. What is it that you desire and what is our ultimate objective ? Do the minorities always want to remain as minorities or do they ever expect to form an integral part of a great nation and as

such to guide and control its destinies ? If they do, can they ever achieve that aspiration and that ideal if they are isolated from the rest of the community ? I think it would be extremely dangerous for them if they were segregated from the rest of the community and kept aloof in an air-tight compartment where they would have to rely on others even for the air they breathe ...

The minorities if they are returned by separate electorates can never have any effective voice.

(i) Explain the views given by Govind Ballabh Pant against separate electorates for the minorities. 4

(ii) "Do the minorities always want to remain as minorities ?" Explain. 2

(iii) Explain your own views on the topic with reasons. 2

खण्ड य

PART E

20. **भारत** के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 17) पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए : 5

मुख्य हड़प्पा स्थल :

नागेश्वर, धौलावीरा, कालीबंगन, लोथल, बनावली

अथवा

भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 17) पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :

गोलकुंडा, थंजावुर, कोलार, बीदर, आगरा

On the given political outline map of **India** (on page 17) mark and label the following :

Mature Harappan sites :

Nageshwar, Dholavira, Kalibangan, Lothal, Banawali

OR

On the given political outline map of **India** (on page 17) mark and label the following :

Golconda, Thanjavur, Kolar, Bidar, Agra

21. **भारत** के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 19) पर भारतीय राष्ट्रीय आंन्दोलन के पाँच महत्त्वपूर्ण केन्द्र 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए तथा उनके नाम समीप खींची रेखा पर लिखिए । 5

On the given political outline map of **India** (on page 19) five important centres of the Indian National Movement have been marked as 1, 2, 3, 4, 5. Identify them and write their names on the lines drawn near them.

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिहीन परीक्षार्थियों** के लिए मानचित्र प्रश्न (प्र. सं. 20 और 21) के स्थान पर हैं ।*

Note : *The following questions are only for the **Blind Candidates** in lieu of the map questions (Q. No. 20 and 21).*

20. किन्हीं पाँच महाजनपदों के नाम लिखिए । 5

अथवा

बाबर, अकबर तथा औरंगज़ेब के अधीन पाँच क्षेत्रों के नाम लिखिए ।

Mention any five Mahajanapadas.

OR

Mention five territories under Babar, Akbar and Aurangzeb.

21. 1857 में अंग्रेज़ों के अधीनस्थ पाँच भारतीय क्षेत्रों/शहरों के नाम लिखिए । 5

Mention any five territories/cities under British control in 1857.

For question no. 20

प्रश्न सं. 20 के लिए

Outline Map of India (Political)

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

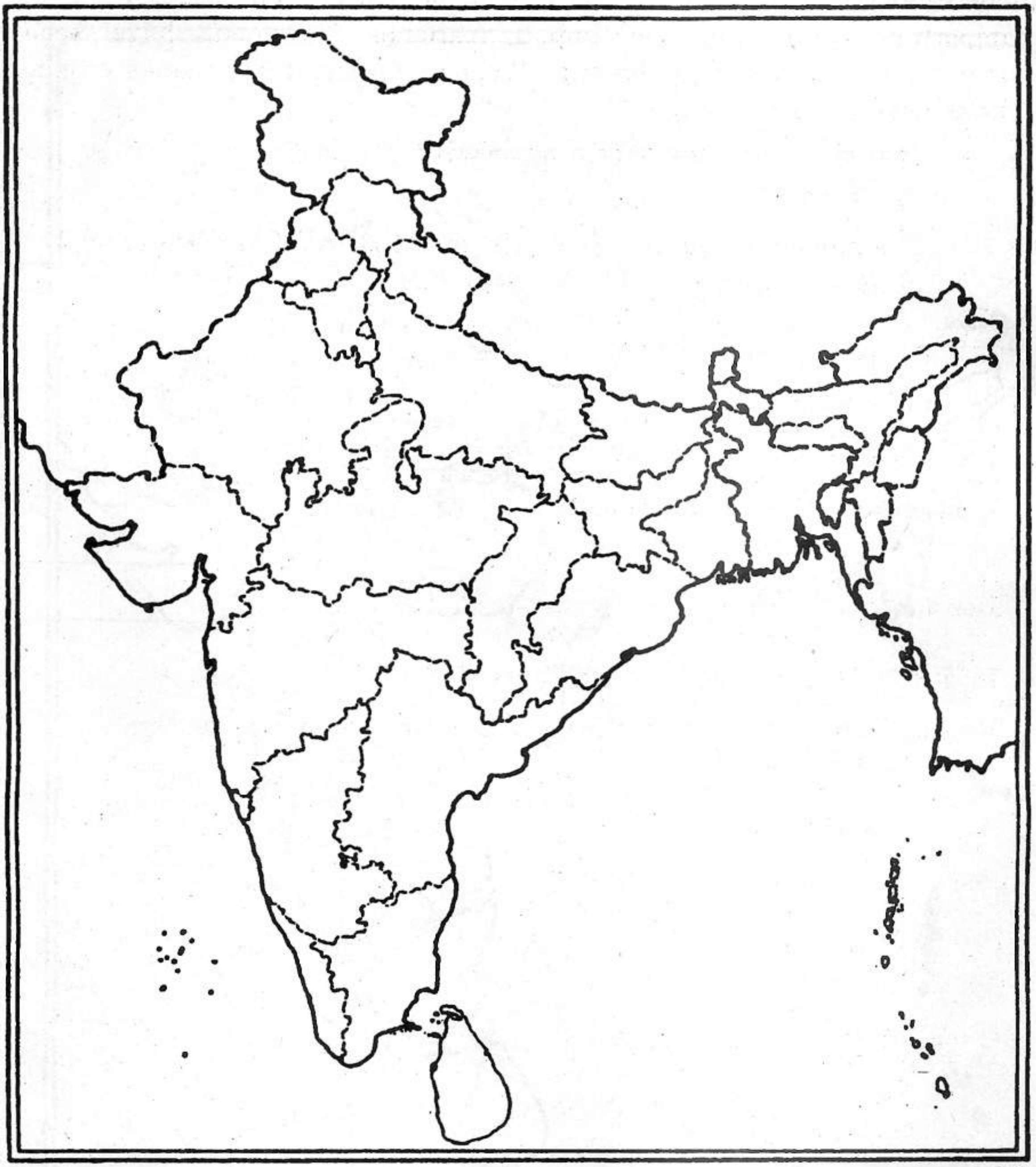

For question no. 21

प्रश्न सं. 21 के लिए

Outline Map of India (Political)

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)